विषयानुक्रमणिका

प्रमाण-पत्र	1
आभार	2-3
विषयानुक्रमणिका	4-7
सारणी सूची	8-9
List of Figures	10-11

अध्याय-1 **सैद्धान्तिक पृष्ठभूमि** **12-29**

प्रस्तावना, नगरों की अवधारणा, सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन, अध्ययन क्षेत्र का चयन का आधार, अध्ययन का उद्देश्य, सम्बन्धित परिकल्पनायें, शोध विधितंत्र की विस्तृत रुपरेखा, अध्याय योजना का प्रारूप एवं संदर्भ सूची।

अध्याय-2 **जनपद का भौगोलिक स्वरुप** **30-89**

अध्ययन क्षेत्र का परिचय, भौतिक पृष्ठभूमि, उच्चावचन, जनपद के भौतिक विभाग, अपवाह तंत्र, जलवायविक परिस्थितियॉ, तापमान, वर्षा, वायु, प्राकृतिक वनस्पति, मैदानी वनस्पति, मृदा संसाधन, आर्थिक संरचना, सामान्य भूमि उपयोग कृषि भूमि उपयोग, सिंचाई के साधन, शस्य प्रतिरुप, औद्योगिक संरचना, अध्ययन क्षेत्र की औद्योगिक संरचना, वृहद एवं मध्यम उद्योग, लघु उद्योग, परिवहन तन्त्र, राष्ट्रीय राजमार्ग, राजकीय राजमार्ग, स्थानीय या जिलों की सडके, गॉवों

की सडके, याताया अभिगम्यता, यातायात संलग्नता, सामाजिक स्वरुप, जनपद की जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना, आयु और लिंग संरचना, साक्षरता और शैक्षिक स्तर, ग्रामीण नगरीय संगठन, ग्रामीण अधिवास तंत्र, नगरीय अधिवास तंत्र एवं संदर्भ सूची।

अध्याय-3 **नगरों का उद्भव एवं विकास** **90-110**

परिचय, नगरों का उद्भव, ऐतिहासिक काल विभाजन, ऐतिहासिक काल विभाजन, प्राचीन काल के नगर, मध्यकालीन नगर, आधुनिक कालीन नगर, नगरों का स्थानिक विस्तार, शहरी विकास के चरण, नगर, नगरीय केन्द्रों में आवासीय क्षेत्रों का विकास एवं वृद्धि एवं संदर्भ सूची।

अध्याय-4 **नगरीकरण की प्रवृत्तियाँ एवं जनांकिकीय अभिलक्षण** **111-132**

परिचय, नगरीय वृद्धि प्रतिरुप, नगरीय जनसंख्या वृद्धि, नगरीय श्रेणी और कोटि परिवर्तन, नगर वर्ग के अनुसार जनसंख्या, नगरों का जनघनत्व, स्त्री–पुरुष अनुपात, आयु संरचना, व्यावसायिक प्रतिरुप, कार्यशील जनसंख्या, जन्म एवं मृत्यु दर, जनसंख्या प्रक्षेपण एवं संदर्भ सूची।

अध्याय-5 **नगरों का स्थानिक तंत्र विश्लेषण** **133-154**

प्रस्तावना, अवधारणा, प्रमुख परिकल्पनायें, कोटि–आकार सम्बन्ध की सैद्धान्तिक पृष्ठभूमि, कोटि–आकार सम्बन्ध, नगरो के मध्य दूरी–आकार

सम्बन्ध, परिवहन तंत्र, अभिगम्यता, मार्ग सूचकांक (डिटूर इन्डेक्स) एवं संदर्भ सूची।

अध्याय-6 नागरिक सुविधाओं का प्रारुप 155-166

प्रस्तावना, सामुदायिक सुविधायें, शैक्षिक सुविधाये, चिकित्सा सुविधायें, बैंक, डाकघर बचत बैंक, मण्डी समिति, सहकारी समितियॉ एवं कृषक सेवा केन्द्र, बाजार की सुविधा, कृषि मण्डी, नगर नियोजन की संकल्पना, नियोजन प्रक्रिया, नगर नियोजन में भूगोल एवं भूगोलविद्दों की भूमिका, वर्तमान नगरों का पुनर्नियोजन, नगर नियोजन के तत्वों के आधार पर नियोज के भेद एवं संदर्भ।

अध्याय-7 कार्यात्मक संरचना और पादानुक्रम 167-192

प्रस्तावना, प्रकार्यात्मक तंत्र, नगर के आधारभूत या प्राथमिक कार्य, कार्यात्मक वर्गीकरण की आवश्यकता, प्रमुख परिकल्पनायें, पादानुक्रम की अवधारणा, नगरों के सेवाओं का पादानुक्रम, केन्द्रीयता, प्रयुक्त विधियॉ एवं प्रणाली, नगरों के पादानुक्रमीय स्तर, प्रकार्यों एवं प्रकार्यात्मक इकाइयों की संख्या के आधार पर, प्रकार्यों की संख्या के आधार पर, कार्यात्मक प्रभार विधि, सिटिलमेन्ट इन्डेक्स विधि, स्केलोग्राम विधि एवं संदर्भ सूची।

अध्याय-8 ग्रामीण नगरीय अन्तर्सम्बन्ध 193-219

प्रस्तावना, ग्रामीण नगरीय सम्बन्धों की अवधारणा, प्रभाव क्षेत्र का सीमांकन, सीमांकन का प्रविधियॉ

नगरों के आदर्श सेवा क्षेत्र, रैली की विच्छेद बिन्दु विधि, गुरुत्व मॉडल विधि का प्रयोग, नगर केन्द्रों का प्रभाव क्षेत्र, स्थानिक व्यवहार प्रतिरुप एवं संदर्भ सूची।

अध्याय-9 **नगरों की समस्याऐं एवं नियोजन** **220-240**

प्रस्तावना, नगरों की समस्यायें, भूमि की समस्या, आवास की समस्या, परिवहन की समस्या, जलापूर्ति की समस्या, नाली, सीवर की समस्या, मलोत्सर्जन की समस्या, मलिन बस्तियों की समस्या, विद्युत आपूर्ति और प्रकाश की समस्या, प्रदूषण की समस्यायें, दस्यु समस्या, नगर नियोजन के तत्व, मलिन बस्ती सुधार योजना, अधिवासी अध्ययन और नियोजन हेतु आवश्यक सुझाव, वर्तमान भूमि उपयोग का अध्ययन एवं वांक्षित नियोजन, नगर विकास हेतु सरकारी नीतियों की समीक्षा निष्कर्ष एवं संदर्भ सूची।

अध्याय-10 **सारांश और निष्कर्ष** **241-252**

प्रस्तावना, सम्पूर्ण उपलब्धियों की समीक्षा, सारांश एवं सुझाव, सामाजिक सेवा सुविधायें, आर्थिक सुविधायें, आवासीय सुविधायें, सांस्कृतिक सुविधायें, नगरों के विकास हेतु सुझाव एवं संदर्भ सूची।

महत्वपूर्ण ग्रन्थसूची (Bibliography) **253-263**